अतंराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आई.एफ.ए.डी.) से वित्तिय सहायता

2115. **श्री दिलीफ सिंह जूदेव :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1994-95, 1995-96 : और 1996-97 के दौरान संयुक्त राष्ट्र संयुक्त राष्ट्र संगठन की एक संस्था अतंराष्ट्रीय कृषि विकास कोष द्वारा कोष विकास की हेतु भारत को कितनी सहायता राशि उपलब्ध कराई गई :

(ख) इस सहायता राशि में से किन-किन राज्यों को कितनी-कितनी धनराशि उपलब्ध कराई गई :

(ग) उर्प्युक्त सहायता से इन राज्यों में कृषि उधोगों के विकास हेतु किये गये कार्यों का ब्यौरा क्या हैं, और

(घ) इस सहायता से कृषि उधोग में हुई प्रगति हेतु निर्धारित लक्ष्यों और उपलब्धियों का राज्य-वार-ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) और (ख) ब्यौरा विवरण में दिया गया है (नीचे देखिये)

(ग) **अंतराष्ट्रीय कृषि विकास कोष से सहायता मुख्यतः** उन परियोजनाओं के लिए दी जाती है जिनका उद्देश्य उन अधिक निर्धनता वाले गैर-सुविधा प्राप्त वर्गों, जैसे जन-जातिय जनंसख्या उड़ीसा एंव आंध्र प्रदेश में) महिलाओं (महाराष्ट्र एंव तमिलनाडु में) और अत्यंत अविकसित क्षेत्रों जैसे मेवात क्षेत्र (हरियाणा मे) में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है । परियोजना के घटकों में सामान्यतः ग्रामीण अवसंचरना का विकास, लघु सिंचाई एंव जल संरक्षण कार्यों को प्रोत्साहन,अन्य आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियों, महिलाओं की शिक्षा, निर्धनों तक ऋण को पहुंचाया जाना आदि शमिल हैं। कृषि उधोगों का विकास इन परियोजनाओं का घटक नहीं हैं ।

(घ) प्रश्न हीं नहीं होता ।

विवरण

वर्ष 1994-95, 1995-96 एंव 1996-97 के दौरान अतंराष्ट्रीय कृषि विकास कोष ने पांच भारतीय राज्यों में अपनी चालू परियोजनाओं के लिए सहायता उपलब्ध कराई । ब्यौरे इस प्रकार हैं –

धनराशि मिलियन अमरीकी डालर में

परियोजना का नाम		ऋण की राशि राज्य	उपयोग		
			94-95	95-96	96-97
1.उड़ीसा जनजातिय विकास	12.2	उड़ीसा	1.434	2.157	1.336
2. तमिलनाडु महिला विकास	13.25	तमिलनाडु	0.764	3.840	3.839
3. आंध्र प्रदेश जनजातिय विकास	21.608	आंध्र प्रदेश	2.741	1.268	1.717
4. महाराष्ट्र ग्रामीण	29.442	महाराष्ट्र	2.000	0.340	1.795
5. आंध्र प्रदेश सहभागिता जनजातिय विकास	26.710	आंध्र प्रदेश	1.800	1.268	1.467
6. मेवात क्षेत्र विकास	15.080	हरियाण	-	1.200	0.000